CENTRAL WATER COMMISSION

Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 12.04.18.

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

S. Mahmood 12.4.18
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication) 12/4/18

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

1
Covering L., YIS

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 12/4/18 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

Rain forecast worries wheat farmers in Punjab and Haryana

Fresh western disturbance may delay harvest of the crop by a week

VIKAS VASUDEVA
CHANDIGARH

Widespread rain during the past few days in parts of Punjab and Haryana could delay the harvesting of the standing wheat crop by at least a week, officials said on Wednesday.

The rain started on Sunday and according to the India Meteorological Department, a fresh western disturbance could bring more rain in the region on April 15 and 16. This forecast has only increased the worry of the farmers.

"We are expecting a fresh western disturbance to affect the region between April 15 and 16. This could bring more rain in many parts of Punjab and Haryana," Surinder Pal, director, IMD, Chandigarh, told *The Hindu*.

"The recent rain has not caused much damage to the wheat crop, but if it rains more in the coming days, coupled with strong winds, then definitely it could be a cause of worry. Otherwise the crop condition looks good and Punjab should produce a bumper wheat crop this season," said P.S. Rangi, an agriculture expert and former Punjab State Farmers Commission adviser.

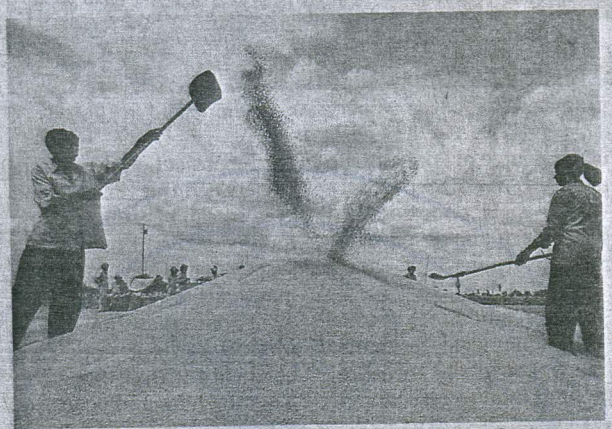

Looming large: The next 15-20 days are crucial for the standing wheat crop. ▪ FILE PHOTO: REUTERS

Mr. Rangi said that if overcast conditions prevail and it rains, the wheat crop would absorb the moisture, which would naturally delay harvesting.

"If the weather prediction stands true, then the harvesting of wheat could be delayed by at least a week," he added. Wheat, the main rabi (winter) crop, is sown between late October and December, while the harvesting of the crop starts from April first week. The current wheat procurement season in Punjab and Haryana began on April 1.

'Keep produce dry'

"The showers during the past few days have been fairly widespread in the State. There have been no reports of major damage to the standing crop. The arrival of crop may get delayed if it rains more in the coming days. We are making the farmers aware that they should keep their produce dry so that they don't face any problem in selling their crop," said Jasbir Singh Bains, director, Punjab Agriculture Department.

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 12/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

VA Tech Wabag bags ₹520-cr. govt. orders

Includes one under 'Clean Ganga'

SPECIAL CORRESPONDENT
CHENNAI

VA Tech Wabag Ltd., a leader in the Indian water treatment technology market, has bagged a ₹147-crore order from Bihar Urban Infrastructure Development Corp. Ltd., under the National Mission for Clean Ganga (NMCG) to design, build and operate a 60 MLD sewage treatment plant at Pahari, Patna.

The project will be jointly financed by the World Bank and the NMCG.

Repeat order

Wabag also won a repeat order for ₹83 crore to design, build and operate a 124-MLD water treatment plant at Rajpur-Sonarpur in Kolkata from the Kolkata Metropolitan Development Authority.

Separately, the company has secured an order worth ₹290 crore from HPCL-Mittal Energy Ltd. for an effluent treatment plant at the Guru Gobindh Singh Refinery in Punjab.

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 12/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

बे मौसम बारिश ने बढ़ाई परेशानी

अंधड़ और बिजली से प्रदेश में 11लोगों की मौत, ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान,

12-4-18

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. प्रदेश के हिस्सों में बुधवार शाम तेज अंधड़ के साथ ओलावृष्टि और बारिश हुई। भरतपुर, धौलपुर, कोटा और अलवर में करीब एक घंटे बारिश हुई। बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। कोटा, उदयपुर, दौसा समेत कई जगह तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई। अंधड़ के दौरान मकान और बिजली गिरने से लग-अलग जगह हुए हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई। करौली के भंडारी के पुरा में बिजली गिरने से बरीदगी निवासी राहुल की मौत हो गई। उदयपुर जिले के ग्राम नाहरपुरा में बिजली गिरने से दुर्गाशंकर की मौत हो गई।

भरतपुर शहर में शाम को हुई बारिश के बाद सड़क पर भरा पानी।

भरतपुर

जिले में बुधवार शाम तेज अंधड़ व बरसात के साथ ओलावृष्टि से किसानों की गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। गांव रारह में झोपड़ी में रुकी महिला कमला (60) निवासी जावली की झोपड़ी गिरने से मौत हो गई। रूपवास में मकान की छत से पत्थर गिरने से युवक की मौत हो गई।

श्रीगंगानगर

घड़साना क्षेत्र में बुधवार रात को तेज हवाओं के साथ बरसात तथा ओलावृष्टि हुई। ओलों का आकार छोटे बेर जैसा था। चक 25 एमडी के किसान कृष्णलाल मेघवाल ने बताया कि बरसात के साथ पांच-छह मिनट तक ओलावृष्टि हुई। ओलावृष्टि से जमीन पर सफेद चादर बिछ गई।

18 एमएम बारिश

शहर सहित जिले में कई स्थानों पर शाम को तेज अंधड़ के बाद झमाझम बारिश हुई। बहरोड़, बर्डोद व हरसौली, तिजारा, टपूकड़ा, भिवाड़ी आदि कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओले भी गिरे। करीब एक घंटे में अलवर तहसील में 18 एमएम बारिश हुई।

धौलपुर में 7 की मौत 50 घायल

धौलपुर. पट्टी गिरने से मरे पुत्र और पुत्री को लेकर बैठे दंपती।

धौलपुर. शहर सहित जिले में बुधवार देर शाम 6 बजे आए अंधड़ ने कई जगह तबाही मचाई। आधे घंटे तक चले अंधड़ के दौरान विभिन्न हादसों में पांच बच्चे सहित सात जनों की मौत हो गई, 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सैपऊ कस्बे में अंधड़ में जगदीश बघेल के मकान की दीवार गिर गई। इसमें दबने से उसकी पुत्री पूनम बघेल (7) की मौत हो गई। हादसे में दादी छोटू पत्नी रामखिलाड़ी बघेल घायल हो गई। वहीं, राजपुर गांव में मकान की दीवार गिरने से मनीषा (4) गांव कुनकुटा में मकान ढहने से सुमन (35) पत्नी पप्पू शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। इसी तरह बसई नवाब थाना क्षेत्र के गांव कासगंज गांव में मकान की पट्टी गिरने से सगे भाई बहन मतलाना (5) पुत्री लाखन सिंह व डेढ़ वर्षीयशाक्ति की मौत हो गई। गांव मुगरवारा निवासी मुकेश (10) पुत्र लक्ष्मण कुशवाह की अंधड़ में मौत हो गई। गुड्डी पत्नी महेश परमार की मौत हो गई।

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 12/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

पानी की बर्बादी, तो कहीं दो बूंद को तरसे लोग

142 किलोमीटर दूर से ले आए पानी, यहां अफसरों के कुप्रबंधन से शहर प्यासा

12-4-18

पत्रिका

बिग इश्यू

जलदाय विभाग व चम्बल अधिकारियों ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप, 1600 करोड़ खर्च, नतीजा पूरे शहर को नहीं पाई पेयजल सुविधा, जलदाय मंत्री गोयल बोले-मैं खुद आकर करूंगा समीक्षा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. ट्रेन से पेयजल परिवहन और जल आपातकाल जैसे हालात से शहर निकल गया लेकिन अफसरों के कुप्रबंधन से फिर वही संकट पैदा हो गया। सरकार ने करीब 1600 करोड़ रुपए खर्च कर 142 किलोमीटर दूर भैंसरोडगढ़ चम्बल से यहां पानी लाने की योजना बनाई। छह साल बाद पानी आ गया लेकिन अभी भी आधा शहर प्यासा है। कारण है कि जलदाय विभाग व चम्बल परियोजना के अधिकारी पेयजल का सही प्रबंधन नहीं कर पा रहे है। कहीं लाइन पूरी नहीं डली है तो कहीं पानी का प्रेशर नहीं है।

एक कॉलोनी की दो तस्वीरों से जानिए अफसरों की लापरवाही

कैस 01 **बापूनगर** बिलिया में घरों के बाहर टैंक लबालब होने से पानी व्यर्थ बह रहा था। किसी ने टोंटी नहीं लगा रखी। पानी का प्रेशर भी बहुत है। कई जगह पाइपलाइन लीकेज होने से पानी बर्बाद हो रहा है। पानी को लेकर जनता भी लापरवाह है, क्योंकि कोई देखने वाला नहीं है।

कैस 02 **बापूनगर** बिलिया में पनघट की मोटर पंद्रह दिन से खराब है। पानी नहीं आ रहा है। हैंडपंप खराब है। लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। किशनसिंह ने बताया कि दो दिन पहले जलदाय विभाग में शिकायत भी की, लेकिन किसी ने नहीं सुना। कुछ समाजसेवी टैंकर डलवा रहे हैं।

दो चरण में पानी लाए भीलवाड़ा, सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट

भैंसरोडगढ़ से आरोली। इसकी दूरी 48.6 किलोमीटर है। इसके बाद आरोली में पानी को फिल्टर कर भीलवाड़ा ला रहे हैं। इसकी दूरी 93 किमी है। यह योजना कांग्रेस राज की थी लेकिन काम भाजपा के राज में हुआ। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का भीलवाड़ा के लिए ड्रीम प्रोजेक्ट है। चुनाव में दोनों पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है। कारण है कि शहर के बाद पूरे जिले में चम्बल की जलापूर्ति की तैयारी है। इस प्रोजेक्ट में वन विभाग से एनओसी सहित काम में कई समस्या आई और अब पानी आया तो वितरण भी ढंग से नहीं कर पा रहे हैं।

शहर की इस बड़ी समस्या का सच जानने बुधवार को राजस्थान पत्रिका की दो टीमों ने सुबह पांच से सात बजे तक जलापूर्ति के दौरान शहर का जायजा लिया। कई चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई है। पत्रिका टीमों ने देखा कि कहीं पानी बर्बाद हो रहा है तो कहीं पीने के पानी का भी संकट है।

देखिए, पानी की बर्बादी बचाने को यहां अपनाया नया तरीका

रीको थर्ड व फोर्थ फेज में पानी बराबर आता है। कुछ श्रमिक परिवारों ने पानी का मोल समझा। कारण है कि उन्होंने बरसों तक एक-एक बूंद के लिए संघर्ष किया। अब पानी आ गया तो वे बचाने में लगे हैं। यहां एक परिवार ने टैंक में टोंटी लगा रखी है। ऊपर छोटा हैंडपंप है। जरुरत के हिसाब से पानी ले लिया जाता है। किसी तरह की बर्बादी नहीं है।

पत्रिका ने इन कॉलोनियों में देखे हाल

बड़ा मंदिर क्षेत्र पुराना शहर, मणिक्यनगर, मालीखेड़ा, शिवाजीनगर, कांवाखेड़ा, न्यू हाउसिंग बोर्ड, पुराना हाउसिंग बोर्ड, शास्त्रीनगर, वकील कॉलोनी, काशीपुरी, आजादनगर, द्वारिका कॉलोनी, जवाहरनगर, बापूनगर, बीलिया, रीको, सुभाषनगर, गायत्रीनगर, गांधीनगर आदि कॉलोनियों में पत्रिका टीम पहुंची और पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया।

यह है बड़ी समस्या, कोई देखने वाला नहीं

शहर की अधिकांश कॉलोनियों में पानी प्रेशर से नहीं आ रहा जबकि पानी की मात्रा पूरी मिल रही है। वजह है कि कहीं पाइपाइन सही है तो कहीं पुरानी है। साथ ही पंपसेट भी पूरे नहीं लगे हैं। इससे जलापूर्ति पूरी नहीं हो रही है। एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में पाइपलाइन ही नहीं पहुंची है। लोग कह रहे हैं सरकार चंबल का जल ले आई लेकिन पिलाएगी कब। इससे लोग परेशान हो रहे हैं। जनता में आक्रोश है कि सरकार ने पानी महंगा कर दिया लेकिन राहत नहीं मिली।

> शहर में पेयजल का संकट पहले था लेकिन अब चंबल का पानी आने के बाद भी यदि ऐसी समस्या है तो गंभीर बात है। चंबल परियोजना व जलदाय विभाग के अधिकारियों को बुलाकर इसकी रिपोर्ट ली जाएगी। शहर की जलापूर्ति में किसी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।
>
> **मुक्तानंद अग्रवाल,** जिला कलेक्टर

> भीलवाड़ा में पेयजल संकट का मुद्दा काफी समय से था। इसका समाधान हमने किया है। अब शहर में बराबर जलापूर्ति नहीं हो रही है तो गंभीर मामला है। इसमें चंबल परियोजना व जलदाय विभाग के अधिकारियों से बात करूंगा। जरुरत पड़ी तो मैं खुद आकर भीलवाड़ा में आकर इस परियोजना की समीक्षा करूंगा।
>
> **सुरेंद्र गोयल,** जलदाय मंत्री

पानी की बर्बादी पर चुप क्यों है विभाग

शहर में चंबल जल की बर्बादी हो रही है। लोगों ने नलों पर टोंटी नहीं लगा रखी है। सड़कों पर पानी बहाया जा रहा है। यह सब कुछ जलदाय विभाग अधिकारी भी देख रहे हैं लेकिन नजरअंदाज कर लेते हैं। सवाल यह है कि आखिर जिस शहर में एक साल पहले जल आपातकाल था, वहां ऐसे पानी के मोल को बिना समझे व्यर्थ बहाया जा रहा है तो भी विभाग के अधिकारी चुप क्यों है। पानी बर्बाद करने पर कनेक्शन काटने का नियम भी है।

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 12/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

कावेरी मुद्दे पर तमिलनाडु और पुडुचेरी बंद, एक मरा

जल विवाद

चेन्नई | एजेंसियां

केंद्र सरकार के कावेरी प्रबंधन बोर्ड (सीएमबी) का गठन करने में असफल रहने के विरोध में पट्टाली मक्कल काच्चि (पीएमके) ने बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में बंद का आह्वान किया। बंद के दौरान चेन्नई में एक रेलगाड़ी के इंजन पर चढ़े पीएमके कार्यकर्ता की मौत हो गई।

पीएमके के आह्वान पर पुडुचेरी में दुकाने और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। कई निजी स्कूल भी बंद रखे गए। जबकि सरकारी स्कूलों में उपस्थिति कम रही। ऑटो रिक्शा और निजी बस सेवा प्रभावित हुई। लेकिन अंतरराज्यीय तमिलनाडु सरकार की बसें और सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति सामान्य रही।

वहीं तमिलनाडु में बंद का उतना असर देखने को नहीं मिला। हालांकि, कुड्डलोर, धर्मपुरी, विल्लुपुरम, मेत्तूर और पीएमके के प्रभाव वाले अन्य स्थानों पर दुकानें बंद रहीं। चेन्नई में पीएमके कार्यकर्ता रेल की पटरियों पर बैठ गए, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया। इसी दौरान डिंडीवनम स्टेशन पर एक रेलगाड़ी के इंजन पर चढ़े पीएमके के कार्यकर्ता की करंट से मौत हो गई। पीएमके नेता ए. रामदॉस ने चेन्नई में एग्मोर रेलवे स्टेशन पर विरोध का नेतृत्व किया। इस बंद का पुडुचेरी में सत्तारूढ़ कांग्रेस और तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी द्रमुक ने भी समर्थन किया था।

विरोध

- पीएमके के आह्वान पर बुलाया गया था बंद, जनजीवन पर आंशिक असर
- सीएमबी के गठन में देरी का कर रहे विरोध, कांग्रेस का भी समर्थन

रजनीकांत, अभिनेता

रजनीकांत ने पुलिस पर हमले की निंदा की

फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत ने कावेरी मुद्दे को लेकर आईपीएल विरोधी प्रदर्शनों के दौरान तीन पुलिसकर्मियों पर हमले की निंदा की। उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया, हिंसा का सबसे बुरा रूप वर्दीधारी कर्मियों पर हमला है। इस तरह की हिंसा से तत्काल निपटा जाना चाहिए, क्योंकि यह देश के लिए खतरनाक है। अपराधियों को दंडित करने के लिए हमें कड़े कानूनों की आवश्यकता है। रजनीकांत ने 23 सेकेंड के एक वीडियो भी ट्वीट किया है, जिसमें हमले का दृश्य दिखाया है। उनके इस ट्वीट का सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक ने समर्थन किया है। हालांकि, तमिल फिल्म कलाकारों के एक गुट ने इस बयान पर नाराजगी जताई है।

दि-12-4-18